उपलब्धि | अक्षमता को हराकर मुंबई-दिल्ली के कॉमेडी मंचों पर छाए विहान पारे

महज 16 की उम्र में की स्टैंड-अप कॉमेडी की शुरुआत

अपने अनोखे नजरिये से सबको हंसाया

नवभारत, जबलपुर। हुनर उम्र और परिस्थितियों का मोहताज नहीं होता, इस बात को सच कर दिखाया है अधारताल निवासी साढ़े 18 वर्षीय युवा विहान पारे ने। विहान का जन्म 12 फरवरी 2008 को हुआ था। उनके पिता पंकज पारे और माता न्यायाधीश अंजलि पारे हैं। विहान के दाहिने हाथ में जन्म से ही मल्टीपल कॉनजेनिटल डिफॉर्मिटी होने के बावजूद उन्होंने कभी हार नहीं मानी। नवभारत से विशेष बातचीत में विहान ने बताया कि उन्हें यह बहुत छोटी उम्र से ही समझ में आ गया था कि कुछ पाना है तो मेहनत करनी पड़ेगी। उन्होंने आगे साझा किया कि बचपन से ही वे हर चीज़ को एक अलग और अनोखे नज़रिए से देखते थे। उनकी माता न्यायाधीश थीं, इसीलिए

विहान ने महज़ 4 से 5 साल की उम्र से ही उनके साथ बहुत ट्रेवल किया। इस लगातार यात्रा और अनुभवों से विहान को जीवन को एक नए और खास नज़रिए से देखने की समझ मिली।

2024 में शुरू किया स्टैंड-अप

कला के प्रति इसी अनोखे नज़रिए के कारण विहान ने वर्ष 2024 में, जब वे 11वीं कक्षा में थे और उनकी उम्र महज़ 16 वर्ष थी, तभी स्टैंड-अप कॉमेडी की शुरुआत कर दी थी। विहान ने बताया कि शुरुआत में उनके माता-पिता इस पैशन के पूरी तरह खिलाफ थे, लेकिन विहान ने अपने कदम पीछे नहीं खींचे। आज वे साढ़े 18 साल की उम्र में श्री राम कॉलेज से बीएएलएलबी कर रहे हैं और प्रथम वर्ष में हैं। पढ़ाई के साथ-साथ उनका यह कलात्मक सफर लगातार आगे बढ़ता जा रहा है। विहान ने अब तक अपनी ज़िंदगी और अनुभवों पर आधारित 'त्यागी और जबलपुर', 'हार्डकोर नेशनलिस्ट' और 'डिसेबल्ड' जैसे बेहतरीन स्टैंड-अप शो किए हैं, जिन्हें दर्शकों का भरपूर प्यार मिला है।

युवाओं के लिए प्रेरणा

विहान पारे की यह कहानी उन सभी युवाओं के लिए एक बड़ी प्रेरणा है जो परिस्थितियों के सामने घुटने टेक देते हैं। एक लेखक और हास्य कलाकार के रूप में विहान का यह सफर अब जबलपुर से निकलकर देश के बड़े कला केंद्रों तक अपनी चमक बिखेर रहा है। विहान ने बताया कि वर्तमान में वे अपने हुनर को एक कदम और आगे ले जाते हुए अपने अगले स्टैंड-अप शो की तैयारी कर रहे हैं, जिसका नाम 'पारे परेशान है' है। अपनी पढ़ाई और कॉमेडी के बीच बेहतरीन संतुलन बनाते हुए विहान आज संस्कारधानी का नाम पूरे देश में रोशन कर रहे हैं।

राष्ट्रीय स्तर स्थापित की पहचान

अपनी कड़ी मेहनत और बेजोड़ प्रतिभा के दम पर विहान ने बहुत कम समय में राष्ट्रीय स्तर पर एक बेहतरीन पहचान स्थापित की है। विहान अपनी इस खास प्रतिभा का लोहा न सिर्फ स्थानीय स्तर पर, बल्कि देश के बड़े महानगरों में भी मनवा चुके हैं। उन्होंने दिल्ली के मशहूर कॉमेडी थिएटर और हाइडआउट के मंच पर अपनी शानदार परफॉर्मेंस दी है। इसके साथ ही, मुंबई के विख्यात द हैबिटेट जैसे बड़े और प्रतिष्ठित मंचों पर भी विहान पारे अपनी कला का शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों को दीवाना बना चुके है।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर निकलेगी शोभायात्रा

यादव महासभा ने तैयारियां की पूरी

नवभारत, जबलपुर। यादव महासभा जबलपुर के तत्वावधान में भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रमों की शुरुआत 2 सितंबर को युवा यादव महासभा एवं युवा यादव ब्रिगेड द्वारा एल्गिन अस्पताल में सुबह 10 बजे आयोजित रक्तदान शिविर से होगी। इसके बाद 3 सितंबर को मंगेली में सुबह 11 बजे पूज्य दादा गुरु भैया जी सरकार के सानिध्य में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। आयोजकों ने बताया कि तीनों कार्यक्रमों को लेकर समाजजनों में उत्साह है और बड़ी संख्या में सहभागिता की अपील की गई है। 4 सितंबर को जन्माष्टमी के अवसर पर श्री सनातन धर्म तिराहा (पुराना बस स्टैंड) से भव्य एवं दिव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा से पूर्व भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा का पूजन-अर्चन किया जाएगा। इसके बाद यादव समाज के वरिष्ठजनों का मंच पर पगड़ी बांधकर एवं तिलक लगाकर सम्मान किया जाएगा, जबकि युवा साथियों का राधा-कृष्ण नामांकित दुपट्टे से स्वागत होगा। पूज्य दादा गुरु भैया जी सरकार के सानिध्य एवं संरक्षण तथा संतजनों, धार्मिक-सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्थाओं और सैकड़ों धर्मप्रेमियों की उपस्थिति में शोभायात्रा पुराने बस स्टैंड से प्रारंभ होकर नगर निगम चौक, मालवीय चौक, लॉर्डगंज चौक, बड़ा फुहारा, कमानिया गेट, कोतवाली, मिलौनीगंज होते हुए भानतलैया में संपन्न होगी।

आकर्षण का केंद्र रहेंगी झांकियां

शोभायात्रा में लड्डू गोपाल झूला, रासलीला, खाटू श्याम जी, यशोदा मैया का मक्खन मंथन, नरसिंह भगवान, गिरिराज जी की लीला, बांके बिहारी जी की सजीव झांकी, गौमाता राष्ट्रमाता की झांकी सहित अनेक आकर्षक झांकियां मुख्य आकर्षण रहेंगी। इसके अलावा अहीर एवं आदिवासी नृत्य, अखाड़े, पांच बग्घियां, चार अश्वरोही दल, धमाल दल, डीजे और पारंपरिक भजन मंडलियां शोभायात्रा की भव्यता बढ़ाएंगी। यादव महासभा से जुड़े भरत सिंह यादव, सुभाष यादव, पूर्व विधायक संजय यादव ने शामिल होने की अपील की है।

एक नजर में

नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर 4 को

नवभारत, जबलपुर। नरेंद्र अग्रवाल चेरिटेबल ट्रस्ट, राईट टाउन द्वारा नि:शुल्क नेत्र जाँच शिविर का आयोजन 4 सितम्बर को सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक नरेन्द्र निवास 1936, प्रेम मंदिर के सामने राईटटाउन में आयोजित किया जा रहा है। इस संबंध में जानकारी देते हुए नेत्ररोग विशेषज्ञ डॉ. शिल्पी अग्रवाल ने बताया कि प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी शिविर में आने वाले जरूरतमंद मरीजों का नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन किया जाएगा। इसके साथ ही शिविर के दौरान आधुनिक मशीनों द्वारा नेत्रों का सूक्ष्म परीक्षण कर दवाइयां एवं चश्मे भी नि:शुल्क वितरित किए जाएंगे। आयोजकों द्वारा अधिक से अधिक संख्या में मरीजों से उपस्थित होकर इस शिविर का लाभ उठाने की अपील की गई है।

संस्कृत सप्ताह का समापन

नवभारत, जबलपुर। छावनी परिषद द्वारा संचालित कैंटोनमेंट कटंगा मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल में संस्कृत सप्ताह का समापन समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला एवं सत्र प्रधान न्यायाधीश कृष्णमूर्ति मिश्रा रहे, विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी शुभांगी पालो दत्त उपस्थित रहीं तथा अध्यक्षता छावनी परिषद के मुख्य अधिशासी अधिकारी राजीव कुमार ने की। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने संस्कृत भाषा, भारतीय संस्कृति और वैदिक परंपराओं की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को इससे जुड़े रहने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर शुभांगी पालो दत्त ने छात्र-छात्राओं को विधिक जानकारी प्रदान कर अधिकारों व कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम का संचालन रविशंकर चतुर्वेदी ने किया, जिन्होंने सप्ताह भर आयोजित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। समारोह में सुनीता चौहान, तृप्ति जैसवाल, विजय परोहा, मंजुला यादव, अभिजीत सिंह परिहार, श्रुति दुबे, रुक्मणी साहू, काशी वर्मा, अनामिका, अनुप्रिया, कृष्णा सेन और माया तिवारी सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

अभा असाटी समाज ने चित्रकूट बाढ़ पीड़ितों के लिए सौंपी राहत सामग्री

नवभारत, जबलपुर। चित्रकूट क्षेत्र में आई भारी बाढ़ से प्रभावित लोगों की सहायता के लिए अखिल भारतीय असाटी (वैश्य) समाज आगे आया है। इस संबंध में अखिल भारतीय असाटी (वैश्य) समाज महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनय असाटी ने बताया कि समाज के सदस्यों ने एकजुट होकर पीड़ितों के लिए भोजन, वस्त्र और अन्य आवश्यक सामग्रियों की राहत किट तैयार की है। इस राहत सामग्री को जिला कलेक्टर को सौंपा गया है, ताकि इसे समय पर जरूरतमंद परिवारों तक पहुँचाया जा सके। पीड़ितों की तात्कालिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इस किट में दैनिक उपयोग की

वस्तुएं जैसे राशन, कपड़े और दवाइयाँ शामिल की गई हैं। इसमें बच्चों, महिलाओं और पुरुषों के वस्त्र (साड़ी, सूट, टी-शर्ट, कंबल और चादर), साफ-सफाई की सामग्री और फर्स्ट एड किट उपलब्ध कराई गई है। इसके साथ ही खाद्य सामग्री के रूप में आटा, चावल, दाल, शक्कर, चायपत्ती, दूध पाउडर, ड्राई फ्रूट्स और पीने के पानी की बोतलें भी प्रदान की गई हैं, जिससे प्रभावित परिवारों को इस कठिन समय में तुरंत सहायता मिल सके। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाज के पदाधिकारी उपस्थित थे।

जन्माष्टमी पर नरसिंह मंदिर में सजा बरसाने का मेला

नवभारत, जबलपुर। श्री सनातन धर्म महासभा के तत्वावधान में जन्माष्टमी महोत्सव के अंतर्गत नरसिंह मंदिर प्रांगण में आकर्षक बरसाने के मेले का शुभारंभ किया गया। इसका उद्घाटन पूज्य श्रीमद् जगतगुरु डॉ. स्वामी नृसिंहदेवाचार्य महाराज, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, कीर्ति अभिलाष पांडे, महासभा के अध्यक्ष श्याम साहनी, गुलशन मखीजा, अंजू भार्गव, सुनीता चावला और डॉ. वाणी अहलूवालिया ने किया।

इस मेले में भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी के विभिन्न स्वरूपों

की पोशाकें, बांसुरी, मुकुट, मोर मुकुट, पूजन सामग्री तथा उनकी बाल लीलाओं से संबंधित वस्तुएं प्रदर्शित की गईं। मेले की साज-सज्जा, श्रृंगार और भोग व्यवस्था में अणिमा भार्गव, शिल्पी कुशवाहा, मोनू कुशवाहा, हेमंत राव और सुमन बर्मन ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस अवसर पर पार्षद मधुबाला राजपूत, सोनिया रंजीत सिंह और प्रतिभा भापकर सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। इसी श्रृंखला में श्री गोपाल लाल महाराज मंदिर हनुमान ताल में राधा-कृष्ण के स्वरूपों को सजाने के लिए मुकुट बांसुरी सजाओ प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप की सांस्कृतिक संध्या में दिखा कला का संगम

नवभारत, जबलपुर। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप 'मेन' द्वारा मंगलवार को आयोजित भव्य सांस्कृतिक संध्या में देश की विविध लोक संस्कृतियों एवं कला परंपराओं का मनमोहक संगम देखने को मिला। इस कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों के समूह लोक नृत्यों और 'कृष्ण-भामा' नृत्य नाटिका सहित अनेक रंगारंग नृत्य एवं नाट्य प्रस्तुतियों का सुंदर मंचन किया गया।

सांस्कृतिक संध्या में छत्तीसगढ़ के पारंपरिक लोक नृत्य, असम के प्रसिद्ध बिहू नृत्य तथा अन्य राज्यों की लोक कलाओं की आकर्षक प्रस्तुतियों

ने उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कलाकारों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों के माध्यम से देश की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता को जीवंत रूप प्रदान किया। कार्यक्रम में देवेश-प्रिया जैन, अखिलेश-अनुभूति बादशाह, संजय-सारिका सिंघई और पीयूष-अमिता जैन सहित अनेक सदस्यों ने उत्साहपूर्वक अपनी प्रस्तुतियां दीं, जिन्हें दर्शकों की भरपूर सराहना मिलीं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में कार्यक्रम संयोजक नवीन जैन, अध्यक्ष सचिन जैन, प्रदीप-सीमा जैन और प्रशांत जैन सहित दिगंबर जैन सोशल ग्रुप के अनेक सदस्यों ने अथक प्रयास किए।

वैश्य महासम्मेलन में 102 नए सदस्यों ने ली सदस्यता

नवभारत, जबलपुर। वैश्य महासम्मेलन मध्यप्रदेश का जबलपुर संभागीय पदाधिकारी सम्मेलन एक स्थानीय होटल में आयोजित किया गया, जिसमें 102 नए सदस्यों ने संगठन की सदस्यता ग्रहण की। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष सुधीर अग्रवाल रहे, जिन्होंने समाज के क्रमिक विकास और प्रगतिशील दृष्टिकोण पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश उपाध्यक्ष भगवान दास अग्रवाल ने की। विशिष्ट अतिथि एवं प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष संदेश जैन ने संगठन की आगामी कार्ययोजना प्रस्तुत की, जबकि प्रदेश महामंत्री सुनील कोठारी ने स्वागत भाषण दिया और संभागीय

अध्यक्ष संजय साहू ने संगठन की प्रस्तावना रखी। इस सम्मेलन में जबलपुर महानगर, जबलपुर ग्रामीण और नरसिंहपुर जिले से महिला एवं युवा इकाई सहित लगभग 200 पदाधिकारी उपस्थित हुए। कार्यक्रम के दूसरे चरण में जबलपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष संदीप जैन और संभाग के नवनियुक्त मनोनीत 21 वैश्य पार्षदों को स्मृति चिन्ह तथा शाल-श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महिला प्रदेश अध्यक्ष ज्योति जैन, आभा साहू और साधना बडकुल उपस्थित रहीं।

महाकौशल कॉलेज में शोध नर्मदा के विशेष अंक का विमोचन

नवभारत, जबलपुर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय महाकोशल स्वशासी महाविद्यालय, जबलपुर में अन्तरराष्ट्रीय शोध पत्रिका 'शोध नर्मदा' के 'भारतीय दर्शन एवं योग' विशेषांक का एक गरिमामय समारोह में विमोचन किया गया। यह विशेषांक भारतीय ज्ञान-परंपरा की समृद्ध विरासत को आधुनिक जीवन की आवश्यकताओं से जोड़ते हुए योग के विभिन्न पक्षों पर गंभीर विमर्श प्रस्तुत करता है। इस विशेषांक में कुल 87 शोधपरक आलेख सम्मिलित हैं, जिनमें भारतीय ज्ञान-परंपरा में योग की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, पतंजलि योगसूत्र, मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य पर प्रभाव, तनाव-अवसाद प्रबंधन, योग एवं न्यूरोसाइंस तथा योग और आधुनिक विज्ञान जैसे समकालीन महत्वपूर्ण विषयों को विमर्श का विषय बनाया गया है। इस विमोचन समारोह का आयोजन प्राचार्य प्रो. अलकेश चतुर्वेदी, शोध पत्रिका संरक्षक प्रो. अरुण शुक्ल और संपादक डॉ. मीना केलर उपस्थित रहीं।

निर्मला चर्च में वेलांकनी माता की नवीना प्रार्थना का तीसरा दिन

नवभारत, जबलपुर। निर्मला चर्च में वेलांकनी माता के आदर में आयोजित नवीना प्रार्थना के तीसरे दिन सेंट एलायसियस स्कूल जबलपुर के प्राचार्य मुख्य याजक डेविस वलापली ने ध्वजरोहण एवं मिस्सा बलिदान अर्पित किया। इस मौके पर उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि माता मरियम मानवजाति के उद्धार के लिए अपने जीवन को निष्कलंक और प्रभु के वचनों को अपने जीवन में स्थापित करना हमें सिखाती हैं। इस कार्यक्रम का आयोजन सी.एम.एस कंपाउंड-1 के विश्वासियों के द्वारा किया गया,

जिसमें पल्ली परिषद के क्रिस्टोफर एंथोनी, नूतन साइमन ऑगस्टीन, जेनिफर डिसूजा, लोरेंस बर्नाबास, वसील तिग्गा एवं क्षेत्र के विश्वासियों का विशेष सहयोग रहा। इस दौरान पल्ली पुरोहित जेवियर फ्रांसिस एवं सचिव शैलेश जॉर्ज ने समस्त माता के विश्वासियों को अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर आत्मिक लाभ प्राप्त करने की अपील की है।

कार्यक्रम | गूंजी लोक कला, कई विभूतियां हुई सम्मानित

शहीद स्मारक में डॉ. पूरनचंद श्रीवास्तव की जयंती मनाई गई

नवभारत, जबलपुर। बुंदेलखंड के समृद्ध लोक साहित्य, कला-संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण तथा संवर्धन के लिए शिक्षाविद् डॉ. पूरनचंद श्रीवास्तव का योगदान स्मरणीय है। क्षेत्रीय बोलियों के संरक्षण की दिशा में उनके द्वारा किए गए महत्वपूर्ण कार्यों को रेखांकित करते हुए गुंजन कला सदन और नगर की विभिन्न संस्थाओं द्वारा शहीद स्मारक भवन में उनकी 110वीं जयंती 'बुंदेली दिवस' के रूप में आयोजित की गई। इस गरिमामय समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में दमोह सांसद राहुल सिंह लोधी, विधायक अभिलाष पांडे, संदीप जैन, संस्था के संरक्षक अजय विश्नोई एवं प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. आनंद तिवारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ गौरीशंकर केसरवानी, नरेन्द्र जैन, गुरवचन सिंह चौपरा, राजीव अग्रवाल, जादूगर एस. के. निगम द्वारा दीप प्रज्ज्वलन और डॉ. श्रीवास्तव के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। अतिथियों का स्वागत नरेन्द्र जैन, विजय जायसवाल, डॉ. रजनीश गर्ग, डॉ. प्रकाश दुबे, राजीव गुप्ता, अभिजीत राय, विमला श्रीवास्तव, ममता श्रीवास्तव, भारती साहा और रेखा सहाने ने किया। इस अवसर पर प्रभा विश्वकर्मा, तरुणा खरे एवं डॉ. दीपक शुक्ला की पुस्तकों का विमोचन किया गया, साथ ही डॉ. पूरनचंद श्रीवास्तव रचित खंडकाव्य 'वीरांगना रानी दुर्गावती' पर मोती शिवहरे के निर्देशन और पं. रुद्रदत्त के संगीत में नृत्य नाटिका का मनमोहक मंचन किया गया।

समारोह में विभिन्न क्षेत्रों की विभूतियां सम्मानित

समारोह के दौरान समाज और संस्कृति में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए वरिष्ठ वैज्ञानिक रितेश कुमार विश्वकर्मा, डॉ. दीपक शुक्ला, डॉ. शिव कुमार व्यास, आईपीएस संपत उपाध्याय, नरसिंह पीठाधीश्वर नरसिंह देवाचार्य, जिला अधिवक्ता संघ अध्यक्ष एड. मनीष मिश्रा, सुनील फाटक को सम्मानित किया गया।

प्रतियोगिता में आशिता और नताशा को नृत्यश्री

कार्यक्रम की अगली कड़ी में आयोजित सरदार एच. एस. चौपरा स्मृति बुंदेली नृत्यश्री प्रतियोगिता के सीनियर ग्रुप में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए आशिता कुमार एवं नताशा केशर को 'नृत्यश्री अलंकरण' तथा आरोही चौरसिया को 'उप नृत्यश्री अलंकरण' प्रदान किया गया। इसके साथ ही नृत्य गुरु सारंग शिवहरे एवं अंकिता गिनारा को लता तिवारी स्मृति नकद राशि, शाल-श्रीफल और साफा पहनाकर अभिषेक अग्रवाल द्वारा सम्मानित किया गया। इस पूरे सांस्कृतिक कार्यक्रम का सफल संचालन राजेश पाठक द्वारा किया गया तथा अंत में विक्रम परवार ने सभी उपस्थित जनों के प्रति आभार प्रदर्शन किया।

स्काउट एवं गाइड के सदस्यों ने सीखे लोगों को बचाने के तरीके

नवभारत, जबलपुर। पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल के भारत स्काउट एवं गाइड के सभी बच्चों द्वारा मंगलवार 1 सितम्बर को एसडीआरएफ में प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया गया। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य बच्चों को आपातकालीन परिस्थितियों में स्वयं की तथा अन्य लोगों की सुरक्षा करने के लिए आवश्यक प्राथमिक सहायता एवं बचाव तकनीकों की जानकारी देना था। प्रशिक्षण के दौरान बच्चों को सीपीआर के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। बच्चों ने सीपीआर (कृत्रिम श्वसन) करने की सही प्रक्रिया, आपात स्थिति में व्यक्ति की स्थिति को पहचानना तथा आवश्यकता पडने पर किस प्रकार सहायता प्रदान करनी चाहिए, इसका प्रायोगिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। साथ ही, बेहोश अथवा सांस न ले रहे व्यक्ति को प्राथमिक सहायता देने एवं कृत्रिम श्वसन की प्रक्रिया के बारे में भी बताया गया।इसके अतिरिक्त, बच्चों को बाढ़ एवं जल-आपदा के समय बचाव के उपायों के बारे में प्रशिक्षण दिया गया। डूबते हुए व्यक्ति को सुरक्षित तरीके से सहायता देने, स्वयं की सुरक्षा को प्राथमिकता देने तथा पानी में फंसे व्यक्ति के बचाव के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में समझाया गया। प्रशिक्षण के दौरान बच्चों ने प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में सभी गतिविधियों को ध्यानपूर्वक सीखा और आवश्यक प्रायोगिक अभ्यास भी किया।